हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 21 सितंबर 2025

13 सभी को सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों का पालन...

14 मिशन एडमिशनः कॉलेज में दाखिले से...

मदद करने वाले व्यक्तियों को पुलिस की ओर से किसी भी तरह से नहीं किया जाएगा परेशान

राहवीर योजनाः सड़क दुर्घटना के एक घंटे के भीतर घायल को अस्पताल ले जाने वाले को मिलेगा 25 हजार का इनाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

दुर्घटना में घायल व्यक्ति को एक घंटे के अंदर अस्पताल पहुंचाने वाले मददगार को 25 हजार रुपये का इनाम और प्रशस्ति-पत्र दिया जाएगा। अगर एक से अधिक व्यक्ति मदद करते हैं तो इनाम की राशि समान रूप में बांटी जाएगी।

इस राहवीर योजना का मुख्य उद्देश्य हादसे के दौरान घायल हुए इंसान को समय पर मदद करने के लिए आमजन को प्रोत्साहित करना है। एक व्यक्ति राह-वीर को एक वर्ष में अधिकतम पांच बार सम्मानित किया जा सकता है। यह योजना 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। ऐसे राहवीरों के नाम केंद्र में भेजें जाएंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एक मूल्यांकन समिति, प्रत्येक राज्य से प्राप्त प्रस्तावों की समीक्षा करेंगे और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ दस राह-वीरों का चयन करेंगे, जिन्हें एक लाख रुपये, एक प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। राहवीर योजना का उद्देश्य सड़क हादसों में घायल लोगों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है।

एक व्यक्ति राह-वीर को एक वर्ष में अधिकतम पांच बार किया जा सकता है सम्मानित

अस्पताल या पुलिस थाना में देनी होगी सूचना

राहवीर घायल को अस्पताल पहुंचाने के बाद अपनी सूचना अस्पताल में या संबंधित पुलिस थाना को दें। घायल को अस्पताल पहुंचाने पर अस्पताल द्वारा पुलिस को सूचना दी जाएगी और पुलिस इसकी रिपोर्ट उपायुक्त को भेजेगी। इसके बाद परिवहन विभाग द्वारा मददगार के खाते में इनाम की राशि ट्रांसफर की जाएगी। मदद करने वाले व्यक्तियों को पुलिस की ओर से किसी भी तरह से परेशान नहीं किया जाएगा, ताकि लोग बिना किसी डर के आगे आकर मदद कर सकें।

'गोल्डन ऑवर' यानी दुर्घटना के पहले एक घंटे को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दौरान इलाज मिलने से घायल व्यक्ति के बचने की संभावना काफी बढ़ जाती है। योजना के अनुसार, यदि कोई नागरिक सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 'गोल्डन ऑवर' के दौरान अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर पहुंचाता है, तो उसे 25 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा। यह राशि एक प्रक्रिया के बाद कमेटी द्वारा रिव्यू करने उपरांत मददगार व्यक्ति के बैंक खाते में सीधे ट्रांसफर की जाएगी, ताकि उनके इस नेक कार्य को प्रोत्साहन मिले।

इन बातों का रखें ध्यान

घायल व्यक्ति की गर्दन न हिलाने दें, गर्दन के दोनों तरफ लकड़ी के ब्लाक जैसी कोई कठोर वस्तु रखें। अगर घायल खून की उल्टी कर रहा है, तो उसे सीधा न लिटाएं और किसी एक तरफ करवट में लिटा दें। यदि घायल व्यक्ति के शरीर में कुछ चुभ या घुस गया है तो उसे निकालने की कोशिश न करें। ऐसा करने से शरीर से बहुत ज्यादा खून बह सकता है। अगर पैर या हाथ घटना के बाद काम नहीं कर रहे हैं तो सहारा जरूर दें, ताकि अंग और खराब न हो।

क्या है गोल्डन ऑवर

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि गोल्डन ऑवर शब्द का उपयोग रोड एक्सीडेंट के दौरान घायल व्यक्ति को उचित समय पर इलाज मिलने की समय सीमा के लिए किया जाता है। उस वक्त डाक्टरों का मानना है कि गोल्डन आवर जीवन और मृत्यु के बीच का वह महत्वपूर्ण समय जिसमें उचित इलाज मिले तो घायल व्यक्ति की जिंदगी बचाई जा सकती है। रोड एक्सीडेंट के दौरान यह समय एक घंटे का होता है। दरअसल, किसी भी दुर्घटना में गंभीर चोट लगने पर मरीजों के शरीर से काफी ज्यादा खून बह जाता है। मरीज का जितना ज्यादा खून बहेगा, उतना ही ज्यादा खतरा बढ़ता जाएगा। ऐसे में मरीज को जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी उचित इलाज मिलना चाहिए, जिससे उसकी जान बच सके।

खबर संक्षेप

सड़क किनारे मिला अज्ञात वृद्ध का शव

नारनौल। नेशनल हाइवे 141–बी पर गांव बनिहाड़ी की सीमा में बने पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे एक वृद्ध व्यक्ति की डैडबॉडी मिली है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव की शिनाख्त की कोशिश की नहीं, लेकिन पहचान नहीं हो पाने के कारण डैडबॉडी को नागरिक अस्पताल नारनौल भिजवा दिया। मृतक की आयु करीब 60 वर्ष है तथा उसने सफेद कुर्ता पजामा पहना हुआ है। फिलहाल आइओ शिनाख्त होने की कोशिश में लगे हुए हैं। अन्यथा 72 घंटों उपरांत शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

शिकायत निवारण शिविर आज से

नांगल चौधरी। सेवा पर्व के तहत 21 व 22 सितंबर को तहसील कार्यालय नांगल चौधरी में विशेष शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। नायब तहसीलदार करण कुमार ने बताया कि 21 व 22 सितंबर को तहसीलदार कार्यालय नांगल चौधरी में लगने वाले विशेष शिकायत निवारण शिविर में कोई भी आमजन राजस्व मामलों, बंटवारे, लंबित नामांतरण से संबंधित शिकायतों का निवारण करवा सकते हैं।

विशेष शिकायत निवारण शिविर आज

मंडी अटेली। सेवा पर्व के तहत 21 सितंबर को गुजरवास व 22 सितंबर को तहसील कार्यालय अटेली में विशेष शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। तहसीलदार पायल यादव ने बताया कि शिकायत निवारण शिविर में कोई भी आमजन राजस्व मामलों, बंटवारे, लंबित नामांतरण से संबंधित शिकायतों का निवारण करवा सकते हैं।

श्री शिवमहापुराण कथा 23 से

सतनाली। श्री जमुवाय माता मंदिर परिसर में 23 सितंबर से नौ दिवसीय श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए आयोजन समिति सदस्य कल्याण सिंह शेखावत ने बताया कि मंदिर परिसर में नवरात्र के पावन पर्व पर चित्रकूट से पधारे राष्ट्रीय संत स्वामी कमलदास बापू के सान्निध्य में 23 सितंबर से एक अक्टूबर तक श्री शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। 23 सितम्बर को प्रातः 8:15 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ किया जाएगा।

पुलिस ने नाबालिग बच्चे को परिजनों से मिलाया

महेंद्रगढ़। थाना शहर पुलिस टीम को शुक्रवार देर शाम के समय एक नाबालिग बच्चे के गुम होने की सूचना मिली। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की दो टीमों का गठन किया गया। टीमें तुरंत प्रभाव से बच्चे की तलाश में जुट गई। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने बच्चे को शहर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया और परिजनों के हवाले कर दिया। इस बारे में बच्चे के परिजनों ने थाना शहर में शिकायत दी थी कि शाम के समय उनका बच्चा घर से कहीं चला गया है।

आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन पर लगाए मिलीभगत के आरोप

पांच घंटे में ही अवैध रास्ता बहाल, 9 क्रशर संचालकों को मिलेगा नोटिस

पंचायत विभाग की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया, कार्रवाई की रफ्तार ढीली

बीडीपीओ ने वीरवार की देर शाम करीब छह बजे पंचायत की भूमि पर निर्मित अवैध रास्ते को जेसीबी से खुदवाकर बंद कराया था। किंतु चार-पांच घंटे बाद ही जेसीबी की मदद से गढ्ढे को समतल करके रास्ता बहाल कर लिया। डंपरों का आवागमन सुचारू रूप से हो रहा है।

हरिभूमि टीम ⏭ निजामपुर

पुलिस डाल-डाल तो चोर पात-पात, यह कहावत धोलेड़ा क्रशर जोन में स्टीक साबित हो रही है। यहां बीडीपीओ ने वीरवार की देर शाम करीब छह बजे पंचायत की भूमि पर निर्मित अवैध रास्ते को जेसीबी से खुदवाकर बंद कराया था। किंतु चार-पांच घंटे बाद ही जेसीबी की मदद से गढ्डे को समतल करके रास्ता बहाल कर लिया। डंपरों का आवागमन सुचारू रूप से हो रहा है। अब प्रशासन ने थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाकर कार्रवाई को संपन्न कर लिया। जिससे आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और क्रशर संचालकों में मिलीभगत होने के आरोप लगाए हैं।

आपको बता दें कि धोलेड़ा क्रशर जोन के साथ पंचायत की जमीन है, जिसे पौधरोपण के लिए फोरेस्ट विभाग को दिया गया है। विभाग ने हजारों पौधे लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ करने का अभियान भी चलाया है। किंतु अब क्रशर संचालकों ने पेड़ों की कटाई करके रास्ते का निर्माण कर लिया, जिसकी मदद से डंपरों द्वारा पत्थरों की सप्लाई होती है।

जिला प्रशासन हुआ सख्त

क्रेशर संचालकों ने धोलेड़ा पंचायत की जमीन पर बनाया रास्ता

पैमाइश रिपोर्ट के आधार पर बंद कराया रास्ता

नारनौल। 20 सितम्बर को प्रकाशित समाचार।

नामालूम लोगों ने गड्ढे को समतल करके रास्ते को किया बहाल

सरपंच देवेंद्र सिंह ने बताया कि धोलेड़ा क्रशर जोन में बजरंग स्टोन क्रशर, तिरूपति माइंस, शिव स्टोन क्रशर, महालक्ष्मी स्टोन क्रशर, सिद्धि विनायक क्रशर, बालाजी स्टोन क्रशर, कृष्णा स्टोन क्रशर पर जाने वाला रास्ता पंचायती जमीन पर है। जिसकी पैमाइश करवाकर बीडीपीओ की उपस्थित में रास्ते को बंद कराया गया था। किंतु नामालूम लोगों ने रात को ही रास्ता समतल करके दुबारा रास्ता तैयार कर लिया। बीडीपीओ की मार्फत अज्ञात आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया है।

नौ क्रशरों का कराया गया था रास्ता बंद

निजामपुर थाना इंचार्ज रवि कुमार ने बताया कि बीडीपीओ की उपस्थिति में नौ क्रशरों का रास्ता बंद कराया गया था। बीडीपीओ की शिकायत के अनुसार रात को ही उक्त रास्ता दोबारा तैयार कर लिया, अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उक्त रास्ते से नौ क्रशर संचालकों को फायदा मिल रहा है इसलिए उन्हीं पर संदेह है। सभी संचालकों को नोटिस देकर मामले की छानबीन करेंगे तथा तथ्यों के आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पंचायती जमीन पर अवैध रास्ते की पुष्टि हुई

पंचायत ने क्रशर संचालकों को उक्त रास्ते को खाली करने की हिदायत दी थी, लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया। इसके बाद पंचायत ने खसरा नंबर 103, 104 और 105 की पैमाइश कराई जिसकी रिपोर्ट में पंचायती जमीन पर अवैध रास्ते की पुष्टि हुई है। शिकायत मिलने पर जिला उपायुक्त ने बीडीपीओ को तत्परता पूर्वक पंचायती जमीन को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए थे। बीडीपीओ निशान शर्मा की अगुवाई में 18 सितंबर की शाम पुलिस की मौजूदगी में रास्ते को जेसीबी से खुदवाया गया था। वीडियोग्राफी कराई गई ताकि दुबारा कब्जा करने की स्थिति में पुलिस कार्रवाई करने में सुविधा रहे। सुबह बीडीपीओ को स्थिति से अवगत कराया गया और उनके निर्देशानुसार अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवा दिया गया है लेकिन एफआइआर को दर्ज हुए 24 घंटे बीत चुके हैंअभी तक पुलिस ने मौका निरीक्षण तक नहीं किया। हालातों को देखकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाने आरंभ कर दिए हैं।

नारनौल। बाइक की टक्कर उपरांत झाड़ियों में पड़ी बाइक। फोटो: हरिभूमि

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

नारनौल-धौलेड़ा रोड पर बेरूंडला गांव के पास हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल-धौलेड़ा रोड पर शुक्रवार रात गांव बेरूंडला के समीप एक पिकअप एवं बाइक के बीच टक्कर हो गई। इस टक्कर में पिकअप जहां पलट गई, वहीं बाइक सवार की मौत हो गई। निजामपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां शव का शनिवार प्रातः पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

जानकारी के अनुसार नूंह जिला के गांव चांदड़ाका निवासी सतीश कुमार बाइक पर सवार होकर रात करीब नौ बजे धौलेड़ा से नारनौल की ओर जा रहा था। इस दौरान एक तेज रफ्तार पिकअप ड्राइवर ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर मारने पर स्पीड तेज होने की वजह से पिकअप बेकाबू होकर पलट गई। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया तथा मृतक के परिजनों को सूचित किया। परिजनों ने बताया कि मृतक सतीश धौलेड़ा क्रेशर जोन में गाड़ियों का मिस्त्री था।

हादसे के समय वह अपने काम से नारनौल जा रहा था। मृतक के भतीजे हवा सिंह ने बताया कि वे दोनों क्रेशर जोन में काम करते हैं और सतीश के साथ नारनौल जाते वक्त बेरूंडला के पास यह हादसा हुआ। पुलिस ने हवासिंह के बयान पर पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज करने उपरांत शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया।

जोहड़ में मृत मिला युवक

नारनौल। नांगल चौधरी क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। राजस्थान से चारा लेने आए युवक की जोहड़ में डूबने से मौत हो गई। करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने शव को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के कोहराना गांव का 26 वर्षीय संजय कुमार प्रजापत बीती शाम घर से यह कहकर निकला था कि वह गांव आकोली से पशुचारा लेने जा रहा है, लेकिन रातभर घर नहीं लौटा। सुबह ग्रामीणों ने नांगल चौधरी के इकबालपुर नंगली गांव के जोहड़ पर बाइक और कपड़े पड़े देखे तो अंदेशा हुआ। संजय का छोटा भाई दशरथ भी मौके पर पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। शुरुआत में स्थानीय पुलिस ने तलाशी की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों को पानी में ज्यादा चिकनाई होने के कारण काफी दिक्कतें आई। नाव की मदद से घंटों तलाशी अभियान चलाया गया। आखिरकार करीब 12 घंटे की मशक्कत के बाद एसडीआरएफ की टीम ने शव को जोहड़ से बाहर निकाला। मृतक अविवाहित था और पशुओं के लिए चारा लेने आया हुआ था, लेकिन वह जोहड़ में मृत मिला। पुलिस ने परिजनों के बयान पर कार्रवाई करने उपरांत शव का नारनौल के नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराया तथा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने जांच को लंबित रखा है।

जीरो वेस्ट और सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहरी स्वास्थ्य अभियान के तहत शुक्रवार को शहर में विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। जिला नगर आयुक्त रणवीर सिंह ने खुद इन गतिविधियों का निरीक्षण किया।

■ डीएमसी रणवीर सिंह ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा

अभियान की शुरुआत श्री रामलीला कमेटी, अटेली मंडी में जीरो वेस्ट और सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध की घोषणा के साथ हुई। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को कचरा कम करने और पर्यावरण के अनुकूल आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। पूरे शहर में सड़कों की सफाई का विशेष ध्यान रखा गया। सफाई से पहले और बाद में दोनों तरह से सड़कों को साफ किया गया। इसके अलावा सड़कों को जेसीबी की मदद से समतल भी किया गया। इससे शहर की बुनियादी संरचना में सुधार हुआ। अभियान के तहत घर-घर जाकर कचरा इकट्ठा करने का काम भी किया गया।

नारनौल। सफाई व्यवस्था का जायजा लेते डीएमसी रणवीर सिंह। फोटो: हरिभूमि

इस दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी कचरा सड़कों पर न रहे। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला नगर आयुक्त ने बताया कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि महेंद्रगढ़ पूरी तरह से स्वच्छ और स्वस्थ शहर नहीं बन जाता। उन्होंने सभी नागरिकों से इस महत्वपूर्ण पहल में सहयोग करने की अपील की।

नांगल चौधरी शनि मंदिर से शुरू किया अभियान, कार्यकर्ताओं की भी रही भीड़

पूर्व सिंचाई मंत्री ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

पार्टी के कार्यकर्ताओं की जनसेवा में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सेवा पखवाड़े का मूल उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पूर्व विधायक और पूर्व सिंचाई मंत्री डॉक्टर अभय सिंह यादव ने नांगल चौधरी में सफाई अभियान का प्रारंभ किया। सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं व सहयोगियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। नांगल चौधरी नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों के साथ नांगल चौधरी शनि मंदिर प्रांगण से यह कार्य प्रारंभ किया गया।

पूर्व मंत्री ने लोगों के साथ झाड़ू लगाकर इस कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई तथा उनके साथ आए अनेकों कार्यकर्ताओं ने अपने हाथ से सफाई की।

पूर्व मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा व्यापक स्तर पर मनाए जा रहे सेवा पखवाड़े का मूल उद्देश्य पार्टी के कार्यकर्ताओं की जनसेवा में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। समाज के सामूहिक कार्यों को सामूहिक भाव से आगे बढ़ाना इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। इस दौरान रक्तदान शिविरों का आयोजन, अपने गांव मोहल्ले और शहर की साफ सफाई, धार्मिक स्थानों की सफाई एवं अन्य सामाजिक सेवा के कार्यक्रमों का आयोजन आदि इसके मूल उद्देश्य हैं।

नारनौल। स्वच्छता अभियान को प्रारंभ करते पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव।

साफ सफाई करना हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा

सफाई के महत्व पर जोर देते हुए डॉक्टर अभय सिंह ने कहा कि साफ़ सफाई करना हमारी प्राचीन संस्कृति का एक हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने जमाने से ही दिवाली और त्यौहारों के नजदीक जब गांवों में घरों के फर्श कच्चे होते थे वहीं कुछ परिवारों के घर भी कच्चे होते थे, उस समय भी माताएं बहने त्योहार के समय मिट्टी से घर का फर्श और दीवारों की लिपाई पुताई किया करती थी। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि गांवों में गलियां भी कच्ची होती थी और कोई सफाई की व्यवस्था सरकार की तरफ़ से नहीं होती थी। कोई सफाई कर्मचारी नहीं होता था उस समय भी हमारी माताएं बहनें अपने अपने घर के सामने झाड़ू लगाकर गलियों को साफ किया करती थी, परंतु आधुनिकता की इस दौड़ में हमने अपनी प्राचीन संस्कृति को भुला दिया और हम दूसरों पर निर्भर होकर रह गए। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी साथी यह संकल्प लें कि इस सेवा पखवाड़े में अपने गांव की उस गली नाली को स्वयं साफ़ करेंगे, जिसमें वह स्वयं रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह मात्र कोई औपचारिकता नहीं हैं अपितु राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भागीदारी बनाकर विकसित भारत बनाने की कड़ी में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका का काम करेगी। इस मौक़े पर नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि रमेश सैनी, पंचायत समिति चेयरमैन प्रतिनिधि करमपाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, होशियार सिंह, रमेश मीणा, निहाल सिंह, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष पूरणचन्द गोठड़ी, नांगल दरगु मंडल अध्यक्ष सुभाष व अन्य सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित

आरटीई सीटों की जानकारी नहीं देने पर 10 निजी स्कूलों पर जुर्माना

विभाग ने कार्रवाई करते हुए सभी स्कूल प्रबंधकों को नोटिस जारी कर निर्धारित जुर्माना भरने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला मौलिक शिक्षा निदेशालय ने आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत सीटों की जानकारी उपलब्ध न कराने पर जिले के 10 निजी स्कूलों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 30 हजार से 70 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया है। निदेशालय के निर्देशानुसार निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जाती हैं। इसके लिए हर वर्ष दाखिले से पहले स्कूलों से सीटों का विवरण मांगा जाता है। इस बार भी शिक्षा विभाग ने जानकारी मांगी, लेकिन दो से तीन बार रिमाइंडर भेजने के बाद भी इन स्कूलों ने जानकारी नहीं दी। विभाग ने कार्रवाई करते हुए स्कूल प्रबंधकों को नोटिस जारी कर निर्धारित जुर्माना भरने के निर्देश दिए। कनीना क्षेत्र से दो, सतनाली से एक, नांगल चौधरी से तीन, नारनौल से दो, निजामपुर से एक और अटेली क्षेत्र से एक स्कूल शामिल है।

क्या कहते है डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त यादव ने बताया कि सीटों की जानकारी नहीं देने पर निदेशालय द्वारा जिले के दस स्कूलों पर जुर्माना लगाया गया है। इस संबंध में सभी स्कूलों को नोटिस जारी कर जुर्माना भरने के निर्देश दिए गए है।

500 रुपये के निवेश से भी बना सकते हैं लाखों रुपये का फंड

सुझाव | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या करना चाहते हैं तो निवेश की जल्द शुरूआत करें। आप कम पैसे से भी अच्छा खासा पैसा जोड़ सकते हैं। निवेश की सधे कदमों से शुरूआत करें, लक्ष्य तय करें और निवेश को बढ़ाते जाएं। इससे आप कुछ ही समय में अमीर बन जाएंगे और भविष्य में पैसे के लिए किसी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा। इन दिनों निवेश के कई ऑप्शन बाजार में मौजूद हैं। लेकिन आप कम पैसे से निवेश की शुरूआत करने जा रहे हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यहां आप हर महीने थोड़ा-थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड जोड़ सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि 500 रुपये निवेश करके आप कितना फंड जोड़ सकते हैं और किस तरह से अपने पैसे को बढ़ा सकते हैं।

यह जानना जरूरी

हर व्यक्ति को अपनी मंथली सैलरी का कुछ हिस्सा बचाकर निवेश जरूर करना चाहिए। आपकी सैलरी चाहे कम हो या ज्यादा निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। आजकल लोग निवेश करने के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी को काफी पसंद कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी की खास बात यह है कि यहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छी फंड इकट्ठा कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड एसआईपी के बारे में निवेश से पहले जान लिया जाना चाहिए। इससे आपको परेशानी नहीं होगी।

म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश

म्यूचुअल फंड में आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है। खास बात यह है कि म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप मात्र 250 रुपये से अपना निवेश शुरू कर सकते हैं और लंबे समय तक निवेश कर आप काफी अच्छा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। आपके पास पैस बढ़ तो आप एसआईपी में निवेश बढ़ा भी सकते हैं। रिटर्न की बात करें तो म्यूचुअल फंड एसआईपी में औसतन 12 से 16 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। हालांकि मार्केट के हिसाब से यह रिटर्न घट या बढ़ भी सकता है।

500 रु. की एसआईपी में रिटर्न

अगर आप हर महीने 500 रुपये म्यूचुअल फंड एसआईपी में निवेश करते हैं और आप ऐसा 25 सालों तक करते हैं, तो आप 25 साल में कुल 1.50 लाख रुपये निवेश करेंगे। 12 प्रतिशत के हिसाब से आपको कुल 8.51 लाख रुपये मिलेंगे। इसमें केवल 7.01 लाख रुपये आपके मुनाफे के होंगे। अगर आपके 15 प्रतिशत के हिसाब से रिटर्न मिलता है, तो आपको 25 साल बाद कुल 13.78 लाख रुपये मिलेंगे। इसमें 12.28 लाख रुपये आपको मुनाफे के होंगे।

टॉप-अप एसआईपी में रिटर्न

नॉर्मल एसआईपी के अलावा आप टॉप-अप एसआईपी के जरिए भी निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर साल अपने निवेश के 10 प्रतिशत की दर से बढ़ाना होता है। ऐसे में अगर आप टॉप-अप एसआईपी में 500 रुपये से अपना निवेश शुरू करते हैं और 25 सालों तक निवेश जारी रखते हैं, तो आप कुल 5.90 लाख रुपये निवेश करेंगे, जिसके बाद आपको कुल 19.67 लाख रुपये मिलेंगे, जिसमें केवल 13.77 लाख रुपये आपको मुनाफे के होंगे।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश में नए हैं तो रेगुलर प्लान लग सकता है काफी आसान सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में

अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से उठा सकते हैं ज्यादा फायदा

म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में 3 बड़े अंतर, कहां करें निवेश

अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से ज्यादा फायदा उठा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में तीन बड़े अंतर क्या हैं और इनके फायदे-नुकसान क्या हैं। सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में होता है. डायरेक्ट म्यूचुअल फंड सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) से खरीदे जाते हैं।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के सामने अक्सर एक बड़ा सवाल खड़ा होता है कि उन्हें डायरेक्ट प्लान चुनना चाहिए या फिर रेगुलर प्लान। दोनों ही रास्ते एक ही स्कीम तक पहुंचाते हैं, लेकिन इनके बीच कुछ ऐसे फर्क हैं जो आपके रिटर्न और इनवेस्टमेंट से जुड़े तजुर्बे को काफी हद तक प्रभावित कर सकते हैं। अगर आप निवेश में नए हैं तो शायद रेगुलर प्लान आपको आसान लगे, वहीं अनुभवी निवेशक डायरेक्ट प्लान से ज्यादा फायदा उठा सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में तीन बड़े अंतर क्या हैं और इनके फायदे-नुकसान क्या हैं।

खर्च और रिटर्न का फर्क

सबसे बड़ा और अहम फर्क दोनों स्कीमों के खर्च यानी एक्सपेंस रेशियो में होता है. डायरेक्ट म्यूचुअल फंड सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) से खरीदे जाते हैं। इनमें किसी बिचौलिये या ब्रोकरेज की जरूरत नहीं होती। यही वजह है कि डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। आम तौर पर यह 0.5% से 1% के बीच ही होता है। दूसरी तरफ रेगुलर म्यूचुअल फंड में डिस्ट्रीब्यूटर या ब्रोकर की फीस भी जुड़ जाती है। इस वजह से इनका एक्सपेंस रेशियो 1% से 2.5% तक जा सकता है। यह अंतर भले ही सुनने में छोटा लगे, लेकिन लंबे समय में कंपाउंडिंग की वजह से यह आपके रिटर्न को काफी कम कर देता है। यही कारण है कि डायरेक्ट प्लान लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, क्योंकि आपकी जेब से फीस और कमीशन पर कम पैसा कटता है।

निवेश करने और उसे मैनेज करने का तरीका

डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में अगला बड़ा फर्क इनमें निवेश करने और मैनेज करने के तरीके का फर्क है। डायरेक्ट प्लान आपको एएमसी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप या कुछ ऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म पर ही मिलते हैं. यहां निवेशक को इनवेस्टमेंट से जुड़े सारे ट्रांजैक्शन खुद ही संभालने पड़ते हैं।

रेगुलर प्लान में ये

रेगुलर प्लान में इन बातों की जिम्मेदारी काफी हद तक ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर संभालते हैं। वे न सिर्फ निवेश की प्रक्रिया से जुड़े पेपरवर्क और प्रोसेस को पूरा करना आसान बनाते हैं। इसलिए यह तरीका उन निवेशकों के लिए सुविधाजनक रहता है, जो नए हैं या इन चीजों के लिए समय नहीं निकाल पाते। हालांकि इस सुविधा के बदले आपको ज्यादा फीस चुकानी पड़ती है।

सलाहकार की भूमिका

तीसरा बड़ा अंतर इस बात से जुड़ा है कि आपको निवेश में कितनी सलाह और मदद चाहिए। अगर आप निवेश की दुनिया में नए हैं और म्यूचुअल फंड चुनने में कंफ्यूज हो जाते हैं, तो रेगुलर प्लान आपके लिए बेहतर हो सकता है। यहां आपको ब्रोकर या फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह मिलती है, जो आपकी जरूरत और रिस्क प्रोफाइल के हिसाब से स्कीम चुनने में मदद कर सकते हैं।

ऐसे समझना जरूरी

यह समझना जरूरी है कि डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड एक ही स्कीम में निवेश करते हैं, फर्क सिर्फ इनके खर्च, मैनेजमेंट और निवेश से जुड़ी सुविधा में है। डायरेक्ट प्लान उन निवेशकों के लिए सही हैं जो कम लागत में बेहतर रिटर्न चाहते हैं और निवेश से जुड़ी प्रॉसेस को खुद संभाल सकते हैं। वहीं रेगुलर प्लान उन लोगों के लिए बेहतर हैं जिन्हें निवेश की प्रक्रिया को आसान रखना है और प्रोफेशनल सपोर्ट की जरूरत महसूस होती है।

म्यूचुअल फंड के डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में अंतर

म्यूचुअल फंड डायरेक्ट

- **एक्सपेंस रेशियो** : कम, क्योंकि इसमें ब्रोकर/डिस्ट्रीब्यूटर का कमीशन नहीं जुड़ता।
- **रिटर्न** : लंबे समय में ज्यादा रिटर्न, खर्च कम होने के कारण
- **निवेश का तरीका** : सीधे एएमसी की वेबसाइट, ऐप या ऑथराइज्ड प्लेटफॉर्म से
- **निवेश का मैनेजमेंट** : निवेशक को खुद रिसर्च और मैनेजमेंट करना होता है
- **किसके लिए बेहतर** : अनुभवी निवेशकों के लिए

प्लान म्यूचुअल फंड रेगुलर प्लान

- **एक्सपेंस रेशियो** : ज्यादा, क्योंकि इसमें कमीशन शामिल होता है
- रिटर्न थोड़ा कम, क्योंकि फीस और कमीशन कटता है
- **निवेश का तरीका** : ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए

एफडी में पैसे लगाना निवेश का सबसे आसान तरीका, एफडी में निवेश कर आप काफी अच्छा रिटर्न पा सकते

रिटायरमेंट तक लाखों का फंड भी जोड़ सकते हैं

सुरक्षित तरीके से बनाएं लाखों का फंड, एफडी में जरूर करें निवेश

जानकारी | बिजनेस डेस्क

एफडी में पैसों को निवेश करने पर पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है। ऐसे में सुरक्षित निवेश के लिए एफडी बेस्ट ऑप्शन है। इसमें कोई भी निवेश कर सकता है और अपने लिए फंड जोड़ सकता है।

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी के बारे में तो आप जानते ही होंगे। एफडी हमेशा से ही पैसों को निवेश करने के लिए लोगों के बीच लोकप्रिय है और सुरक्षित तरीका होता है। फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी में निवेशकों को एक निश्चित अवधि के लिए अपना पैसा निवेश करना होता है। इस अवधि के दौरान निवेशकों को एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। ऐसे में अगर आप भी अपने पैसों को निवेश करना चाहते हैं, तो आपको एफडी में अपने पैसों को जरूर निवेश करना चाहिए एफडी में लंबे समय तक निवेश करके आप लाखों रुपये का मुनाफा कमा सकते हैं। एफडी में भले की ब्याज कुछ मिलता है लेकिन पैसों का कोई खतरा नहीं होता। आप थोड़ा थोड़ा करके आसानी से अच्छा पैसा जोड़ सकते हैं जो बुढ़ापे में या आपके बच्चों की पढ़ाई में या फिर उनकी शादी के समय में आपके काफी काम आ सकता है। अगर आपने अभी तक किसी भी एफडी में अपने पैसों का निवेश नहीं किया है, तो आज हम आपको एफडी में निवेश करने के कई फायदों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें जानकर आप एफडी में निवेश जरूर करेंगे।

एफडी में निश्चित रिटर्न

एफडी में मिलने वाला रिटर्न पहले से ही फिक्स्ड होता है। ऐसे में आप मिलने वाले रिटर्न के हिसाब से अपनी आगे की प्लानिंग कर सकते हैं। एफडी का रिटर्न निवेश करने के बाद कम या ज्यादा नहीं होता है और आपके पैसे के खोने का डर भी नहीं लगता। इसे समय से पहले भी जरूरत पड़ने पर भुनाया जा सकता है।

एफडी में अच्छा रिटर्न

एफडी में सुरक्षित और निश्चित रिटर्न के साथ साथ अच्छा रिटर्न भी मिलता है। कई बैंक अपनी एफडी पर काफी अच्छा रिटर्न देते हैं। इसके अलावा एनबीएफसी की एफडी में आप 9 प्रतिशत की दर से भी रिटर्न पा सकते हैं। इतना ही नहीं सीनियर सिटीजन को एफडी में अधिक ब्याज का लाभ मिलता है। आप अपने माता-पिता के नाम पर भी एफडी करवा सकते हैं और अधिक रिटर्न पा सकते हैं।

छोटी से लेकर लंबी अवधि

एफडी में आप छोटी से लेकर लंबी अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं। इसमें आप 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं। खास बात यह कि एफडी का समय पूरा होते ही पैसा अपने आप आपके खाते में आ जाता है। कई बैंक और फाइनेंशियल कंपनियां एफडी पर लोन की सुविधा भी देती हैं। ऐसे में निवेशक मुश्किल समय में पैसों का इंतजाम भी कर सकते हैं।

एफडी में टैक्स छूट

एफडी में निवेश करके टैक्स छूट का लाभ ले सकते हैं। यह छूट इनकम टैक्स के सेक्शन 80सी के तहत मिलती है, जिसके तहत आप 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी में निवेश कर 1.50 लाख रुपये तक की टैक्स छूट पा सकते हैं।

स्मॉल फाइनेंस बैंकों में एफडी दरें

- सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक : 1 साल की एफडी पर 7.50% तक ब्याज देता है, जबकि 3 साल की एफडी पर 8.00% और 5 साल की एफडी पर 8.20% तक ब्याज मिलता है।
- जना स्मॉल फाइनेंस बैंक : 1 साल की एफडी पर 7.25% से 8.00%, जबकि 3 साल की एफडी पर 8.20% तक ब्याज मिलता है।
- उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक : 1 साल की एफडी पर 6.00% से 8.50% तक ब्याज देता है, जबकि वरिष्ठ नागरिकों को 9.10% तक ब्याज मिलता है।

प्राइवेट बैंकों में एफडी दरें

- आरबीएल बैंक: 1 साल की एफडी पर 7.00% से 7.20% तक ब्याज देता है।
- यस बैंक: 1 साल में 6.75% से 7.00% ब्याज
- इंडसइंड बैंक: 1 साल की एफडी पर 6.75% से 7.00% तक ब्याज देता है।
- आईसीआईसीआई बैंक: 1 साल की एफडी पर 6.50% तक ब्याज देता है।

सरकारी बैंकों में एफडी दरें

- बैंक ऑफ बड़ौदा: 1 साल की एफडी पर 6.60% तक ब्याज देता है।
- पंजाब नेशनल बैंक: 1 साल की एफडी पर 6.60% तक ब्याज देता है।
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया: 1 साल की एफडी पर 6.60% तक ब्याज देता है।
- एसबीआई : 1 साल की एफडी पर 6.45% तक ब्याज देता है।

हाइएस्ट एसेट वाले 5 लार्जकैप फंड्स ने 25% तक दिया सालाना रिटर्न

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए लार्ज कैप फंड्स को स्मॉल कैप या मिड कैप की तुलना में ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद ऑप्शन माना जाता हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लार्ज कैप फंड देश की टॉप और मजबूत कंपनियों में निवेश करते हैं, जिसकी वजह से लंबे समय में इनका रिस्क थोड़ा कम रहता है और स्टेबल रिटर्न मिलने की उम्मीद भी रहती है। एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के लिहाज से इस वक्त देश के टॉप 5 लार्ज कैप फंड्स में एसबीआई म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रू. निप्पॉन इंडिया और मिरे एसेट की स्कीम्स शामिल हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के 12 सितंबर 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक इन फंड्स ने पिछले 5 सालों में 18% से 25% तक एनुअल रिटर्न दिया है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड इस समय सबसे ज्यादा एसेट वाला लार्ज कैप फंड है। इसका एयूएम करीब 73,731 करोड़ रुपये है। पिछले 5 साल में इस फंड ने डायरेक्ट प्लान से 22.32% और रेगुलर प्लान से 21.60% का सालाना रिटर्न दिया है. खर्च के मामले में इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.86% और रेगुलर प्लान में 1.42% है। लगातार मजबूत परफॉर्मेंस ने इसे निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना दिया है।

एसबीआई लार्ज कैप फंड

एसबीआई लार्ज कैप फंड का एयूएम 53,887 करोड़ रुपये है. इस फंड ने पिछले 5 सालों में डायरेक्ट प्लान से 19.93% और रेगुलर प्लान से 19.07% सालाना रिटर्न दिया है. इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.81% और रेगुलर प्लान में 1.49% है।

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड

निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड का एयूएम 46,628 करोड़ रुपये है. पिछले परफॉर्मेंस के मामले में यह सबसे आगे रहा है. पिछले 5 साल में इस फंड के डायरेक्ट प्लान ने 25.55% और रेगुलर प्लान ने 24.50% की दर से सालाना रिटर्न दिया है। एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.69% और रेगुलर प्लान में 1.51% है। हाई रिटर्न की वजह से यह फंड निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर बना हुआ है।

मिरे एसेट लार्ज कैप फंड

मिरे एसेट लार्ज कैप फंड का एयूएम 40,510 करोड़ रुपये है। इस फंड का 5 साल का सालाना रिटर्न डायरेक्ट प्लान में 18.06% और रेगुलर प्लान में 16.87% रहा है। खर्च की बात करें तो इसका एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.55% और रेगुलर प्लान में 1.52% है. डायरेक्ट प्लान का लो एक्सपेंस रेशियो इसकी खास बात है।

एचडीएफसी लार्ज कैप फंड

एचडीएफसी लार्ज कैप फंड का एयूएम 38,689 करोड़ रुपये है। पिछले 5 साल में इस फंड के डायरेक्ट प्लान ने 21.87% और रेगुलर प्लान ने 21.15% के हिसाब से सालाना रिटर्न दिया है। इस फंड का एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान में 0.99% और रेगुलर प्लान में 1.60% है। मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड और भरोसेमंद ब्रांड वैल्यू की वजह से यह फंड निवेशकों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है।

दिवाली पर सोना चमका सकता है किस्मत, कर सकते हैं निवेश

सुझाव | बिजनेस डेस्क

इस दिवाली पर आप भी अपनी किस्मत चमका सकते हैं, लेकिन आपको अपना लक्ष्य लेकर चलना होगा। पहले यह देखें कि निवेश के लिए क्या सही है। हालांकि वर्ष 2010 से अब तक देखा जाए तो सोने ने सबसे अधिक रिटर्न दिया है। 2010 से दिवाली-दर-दिवाली रिटर्न के मामले में सोना, निफ्टी से कहीं आगे रहा है। इस अवधि में किया गया 10,000 रुपये प्रति वर्ष का निवेश 4.47 लाख रुपये में बदल गया। वहीं, इस अवधि में निफ्टी 50 का रिटर्न 3.72 लाख रुपये रहा है। पिछले वर्ष के दौरान सोने के बेहतर प्रदर्शन ने सभी निवेशकों को आश्चर्यचकित कर दिया है, जबकि दलाल स्ट्रीट के कमजोर प्रदर्शन ने निवेशकों का सेंटीमेंट कमजोर कर दिया है और इक्विटी मार्केट के शॉर्ट आउटलुक को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, त्यौहारी सीजन के करीब आने के साथ ही मनीकंट्रोल ने 2010 से हर दिवाली पर सोने और इक्विटी के रिटर्न का विश्लेषण किया है।

2010 से दिवाली दर दिवाली रिटर्न के मामले में सोना, निफ्टी से आगे रहा

2010 से अब तक 10,000 रुपये प्रति वर्ष का निवेश 4.47 लाख रुपये में बदला

विश्लेषण में यह खुलासा

इस विश्लेषण से पता चलता है कि इक्विटी में पिछले कुछ वर्षों में लगातार तेजी देखने को मिली। वहीं, सोने में काफी वोलैटिलिटी देखने को मिली है। इस अवधि में गोल्ड में लंबे समय तक सुस्त प्रदर्शन देखने को मिला है फिर इसकी कीमतों में तेज उछाल भी देखने को मिला है। यदि किसी निवेशक ने 2010 से प्रत्येक दिवाली पर निफ्टी 50 के साथ-साथ सोने में 10,000 रुपये का निवेश किया होता, तो आज इसके बिल्कुल अलग-अलग होते।

सोने का रिटर्न शेयरों से बेहतर

अगर 2010 से हर दिवाली पर सोने में 10,000 रुपये का निवेश किया गया होता तो शेयरों की तुलना में बेहतर रिटर्न देखने को मिलता। सोने में इस सिस्टेमेटिक सालाना निवेश से 1.5 लाख रुपये का निवेश इस अवधि में 4.47 लाख रुपये में बदल जाता। वहीं, इक्विटी में किया गया 10,000 रुपये का सालाना निवेश आज की तारीख में 3.72 लाख रुपये ही हुआ होता। इसका मतलब यह है कि 2010 से हर साल 10,000 रुपये का निवेश करने से सोने का प्रदर्शन निफ्टी से बेहतर होता, जो निवेश में 4.5 गुना की बढ़त करता, जबकि निफ्टी में 15 सालों में 3.7 गुना की ही बढ़ोतरी हासिल करता। हालांकि, अगर किसी निवेशक ने पिछले 15 सालों के बाद अपनी निवेश यात्रा शुरू की है और पिछले 5 सालों में हर दिवाली पर सोने और शेयरों में पूंजी लगाने का फैसला किया है, तो भी सोने का रिटर्न शेयरों से बेहतर रहा होता।

सोने की सालाना ग्रोथ 15.1% रही

पिछले 5 सालों में दिवाली-दर-दिवाली सोने की कमतों में सालाना (सीएजीआर) 16.1 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। जबकि निफ्टी 50 की सालाना ग्रोथ रेट 13.8 प्रतिशत रही है। अगर पिछले दस सालों के दोनों के अंतर को देखें,तो यह अंतर कम हो जाता है। इस अवधि में सोने की सालाना ग्रोथ 15.1 प्रतिशत रही है, जबकि निफ्टी 50 की सालाना ग्रोथ 12.3 प्रतिशत रही है। अगर किसी दूसरे साल भी दिवाली पर निफ्टी और गोल्ड में 10-10 हजार रुपए का निवेश किया गया होता तो नतीजे अलग-अलग होते और सोने का प्रदर्शन ज्यादा बेहतर होता। अगर, 2010 में ये निवेश किया गया होता तो शेयरों किया गया ये निवेश 39,180 रुपये हो गया होता। जबकि आज सोने में की गई निवेश की कीमत 54,200 रुपये हो गई होती।

ऐसे समझें रिटर्न का गणित

2015 में निफ्टी किए गए इतने निवेश का भाव इस समय 31,630 रुपये हो गया होता। जबकि सोने में किया गया ये निवेश 41,340 रुपये हो गया होता। अगर यही निवेश 2020 में हुआ होता तो दोनों असेट्स में अच्छा रिटर्न मिला होता। इस अवधि में निफ्टी में किया गया निवेश 19,370 रुपये होता। जबकि, सोने में किया गया निवेश थोड़ा बेहतर 20,980 रुपये पर रहा होता।

मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा

- सोना अक्सर मुद्रास्फीति के खिलाफ एक अच्छा हेज माना जाता है। जब मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो सोने की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।
- विविधीकरणसोना एक विविध निवेश विकल्प है जो आपके पोर्टफोलियो को विविध बनाने में मदद कर सकता है। इससे जोखिम कम हो सकता है और रिटर्न बढ़ सकता है।
- आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षासोना अक्सर आर्थिक अनिश्चितता के समय एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। जब बाजार अस्थिर होते हैं, तो सोने की कीमतें बढ़ सकती हैं।
- लंबी अवधि के लिए निवेशसोना एक लंबी अवधि के लिए निवेश विकल्प हो सकता है। सोने की कीमतें लंबी अवधि में बढ़ सकती हैं, जिससे आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है।
- भौतिक संपत्तिसोना एक भौतिक संपत्ति है जिसे आप अपने पास रख सकते हैं। इससे आपको एक सुरक्षित और ठोस निवेश विकल्प मिलता है।
- वैश्विक मांगसोने की वैश्विक मांग हमेशा बनी रहती है, जिससे इसकी कीमतें स्थिर रहती हैं।
- निवेश के विभिन्न विकल्पसोने में निवेश करने के विभिन्न विकल्प हैं, जैसे कि भौतिक सोना, सोने के बॉन्ड, सोने के म्यूचुअल फंड, और सोने के ईटीएफ ।

खबर संक्षेप

रेसिपी प्रतियोगिता के विजेता सम्मानित

नांगल चौधरी। महिला बाल विकास विभाग ने शहर के वार्ड-4 में आंगबाड़ी केंद्र 506 पर रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें सुपरवाइजर अनिता कुमारी मुख्य रूप से मौजूद रही। उन्होंने प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया है। इस दौरान ग्रामीण महिलाओं को पौष्टिक आहर खाने के लिए जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देशों पर विभाग ने दो अक्टूबर तक पौषण पखवाड़ा मनाने का शेड्यूल बनाया है।

नशा मुक्ति विषय पर सेमिनार आयोजित

नांगल चौधरी। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग, हरियाणा के निर्देशानुसार दो अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़े के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान शाहबाजपुर में नशा मुक्ति विषय पर आधारित सेमीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजकीय आयुर्वेद औषधालय नायन के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. ललित मोहन जोशी बतौर वक्ता मौजूद रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से बचने व मुक्त होने के बारे में बताया।

गणेश पूजन के साथ रामलीला मंचन हुआ शुरू

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की लीला हमें सदमार्ग पर चलने की देती है सीख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारायण सेवा संस्था रजिस्टर की ओर से श्री कृष्णा ड्रामेटिक क्लब अनाज मंडी में गणेश पूजन के साथ रामलीला मंचन का शुभारंभ किया गया। प्रथम दिन कन्हैया लाल निर्मल शास्त्री ने सुबह ड्राफ्ट पूजन व गणेश पूजन रामलीला कमेटी के प्रधान रवि गर्ग और उनकी धर्मपत्नी के द्वारा पूजन करवाकर शुभारंभ करवाया।

रविदास मंदिर के महंत बालकदास महाराज रामकिशोर अग्रवाल व दर्शन कुमार ने रिबन काटकर भगवान की लीला का शुभारंभ किया। महंत बालकदास महाराज ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की लीला हमें सदमार्ग पर चलने की सीख देती है। उन्होंने उपस्थित जनों से भगवान राम के आदर्शों को जीवन मे उतारने का आह्वान किया। प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि मंच संचालन भारत भूषण तायल ने किया। रामलीला प्रभारी दयानंद सैनी मंत्री ने बताया कि 19 सितंबर से तीन अक्टूबर तक रामलीला का मंचन किया जाएगा। प्रधान रवि गर्ग मोनू भाटा व रामलीला संरक्षक वासुदेव सिंघल ने बताया कि प्रथम दिन शिव तलहटी, शिव पार्वती संवाद, रावण वेदवती संवाद तथा श्रवण कुमार की लीला का मंचन किया गया।

इसमें शिव नवीन सिंघल, पार्वती अरविंद सैनी (कालू), मारिच- जगदीश बिल्ला, नन्दी- मनोज तायल, वेदवती- मनोज निर्मल, श्रवण कुमार- डॉ. ओम प्रकाश सैनी, माता- विवेक शर्मा, पिता- जगदीश बिल्ला, दशरथ- नरेश तायल, रावण -आनंद मुकेश, सतकीर्ति- रोणी बाजवा ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। लीला में भगवान शंकर ने रावण का घमंड दूर किया तथा उसे चंद्रहास नामक तलवार दी तथा जब रावण वेदवती को उठाने की कोशिश करता है।

नारनौल। रामलीला का मंचन करते कलाकार। व झंडा चौक पर रिबन काटकर रामलीला का शुभारंभ करते अजय गोयल। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विजय जैन, नवीन सिंधल, मनोज निर्मल, संरक्षक वेद प्रकाश सैनी, सोनू शर्मा, अरविंद सैनी, सतीश बेदी, ध्रुव वर्मा, अभिषेक सोनी, धर्मवीर, कनिष्क कोहली, जोगिंदर शर्मा, होशियार देवीलाल, भगतजी विकास बडेसरा आदि मौजूद थे।

अटेली में गणेश वंदना के साथ हुई रामलीला

मंडी अटेली। अटेली मंडी के झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से गणेश वंदना के साथ रामलीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि अजय गोयल ने रिबन काटकर किया। रामलीला के प्रथम दिन शिव-पार्वती के संवाद व नारद मोह का मंचन हुआ। भगवान शंकर व माता पार्वती को भगवान राम की कथा सुनाते हैं। इसके साथ नारद मोह की लीला प्रारंभ हो जाती है। नारद के रोल में एडवोकेट सुनील, एडवोकेट, कामदेव के रोल में त्रिभुवन शर्मा, जबकि भगवान शिव का रोल पिंकू शर्मा द्वारा किया गया। प्रथम दिन रामलीला की मंचन में नारदजी ने उत्तम स्थान पर बैठकर भगवान हरि की तपस्या करने लगते हैं, जिस कारण भगवान इंद्र का सिंहासन हिलने लगता है। इंद्र को मालूम पड़ता है कि नारद की तपस्या से उनका सिंहासन हिल रहा है। तब उनकी तपस्या भंग करने के लिए इंद्र देव अप्सराओं को भेजते हैं। रंभा, उर्वशी आदि अप्सराएं भी नारद की तपस्या भंग नहीं कर पाती। उसके बाद भगवान इंद्र कामदेव को भेजते हैं। कामदेव भी नारद की तपस्या को भंग नहीं कर पाते। फिर नारद अपनी तपस्या को स्वयं विराम देते हैं और कामदेव को माफ कर देते हैं। इस कारण भगवान नारद को अभिमान आ जाता है और कहते हैं कि उसने काम क्रोध जीत लिया। जबकि भगवान शंकर भी क्रोध पर विजय नहीं कर पाए। भगवान अपने भक्तों में कभी भी अभिमानी होना नहीं देखते। नारद के अभिमान को खत्म करने हेतु प्रभू ने नारद को हरि रूप यानी

टैगोर स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। टैगोर स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सूर्या मार्शल आर्ट्स अकादमी की ओर से आयोजित जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। स्कूल के कुल 29 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। जिनमें से खिलाड़ियों ने 19 स्वर्ण पदक व 10 रजत पदक जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। बच्चों के इस बेहतरीन प्रदर्शन से पूरा क्षेत्र गौरवान्वित हुआ। प्रतियोगिता में टैगोर स्कूल के खिलाड़ियों ने तीनों वर्गों अंडर 14, 17 व अंडर 19 में दबदबा बनाते हुए शानदार पदक अपने नाम किए। यह शानदार सफलता कोच लता सोनी की अगुवाई में मिली। जिनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दिखाया। इन विजेता खिलाड़ियों ने आगामी 26 से 28 सितम्बर तक होने वाली स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। चेयरमैन डॉ. बीएल यादव ने कहा कि बच्चों ने मेहनत और अनुशासन से यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह जीत न केवल स्कूल के लिए गर्व की बात है, बल्कि पूरे जिले के लिए भी प्रेरणा है। सीईओ डॉ. निशा यादव व प्रिंसिपल वीरेंद्र सिंह ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि टैगोर स्कूल के छात्रों ने साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम और सही मार्गदर्शन से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। टैगोर स्कूल के खिलाड़ियों ने यह दिखा दिया कि लगन और परिश्रम से हर सपना हकीकत बन सकता है।

डॉ. मोनिका सैनी का ईएसटीआईसी में चयन

नारनौल। सिंघानिया विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष एवं जनसंपर्क अधिकारी चिड़ावा निवासी डॉ. मोनिका सैनी ने उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रोफाइल व अनुसंधान कार्यों में निरंतर योगदान दिया है। उनका चयन प्रतिष्ठित उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी व नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी-2025) में चयन किया गया है। यह आयोजन तीन से पांच नवम्बर तक भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित होगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस वैश्विक मंच पर नोबेल पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति, अंतर राष्ट्रीय वैज्ञानिक, नेता व नीति निर्माता भी भाग लेंगे। जहां विज्ञान, नवाचार और भविष्य की दिशा पर गहन विचार विमर्श होगा। डॉ. मोनिका सैनी को युवा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नेता 45 वर्ष से कम आयु की श्रेणी में शामिल किया गया है, जो उनके नेतृत्व व क्षमता का प्रमाण है। उनकी इस उपलब्धि को उनके सहयोगियों व परिवार वालों ने सराहा और उन्हें बधाई दी है। यह उपलब्धि न केवल डॉ. मोनिका सैनी के व्यक्तिगत परिश्रम व समर्पण की पहचान है, बल्कि आने वाले समय में युवा शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

विद्यार्थियों ने चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार की अध्यक्षता व एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह के नेतृत्व में सेवा पर्व के अंतर्गत गांव जैलाफ के प्राचीन अर्जुन नाथ मंदिर व विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें सभी स्वयंसेवकों ने श्रमदान के माध्यम से साफ सफाई करके ग्रामीणों को स्वच्छ भारत का संदेश दिया।

प्रवक्ता राकेश कुमार ने कहा कि स्वच्छ भारत के निर्माण के लिए जन भागीदारी व जागरूकता आवश्यक है। हमें स्वच्छता को लेकर लोगों की मानसिकता में परिवर्तन लाना होगा। इस अभियान में प्रवक्ता मुकेश कुमार, सुमेर सिंह, मलखान सिंह, एबीआरसी भूपेंद्र व राकेश पीटीआई का विशेष योगदान रहा। धर्म सिंह ने कहा कि पूरे देश में चलाए जा रहे सेवा पर्व के माध्यम से विभिन्न सेवाओं के द्वारा बहुत से कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमें एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते इन सभी सेवा कार्यों में भाग लेकर राष्ट्र निर्माण व विकास में भरसक सहयोग करना है।

नारनौल। सफाई अभियान चलाते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पंच अमरसिंह, छाजूराम रावत, प्रवक्ता दयानंद, डॉ. महताब, सुनील भाटिया, सुमन, दीपिका, अनिल, गजराज, प्रदीप, विक्रम, सुनील,श्रवण, रोशन लाल आदि उपस्थित थे।

नारनौल। माता के नाम पौधा लगाता छात्र कपिल कुमार। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों ने एक पौधा मां के नाम चलाया

निजामपुर। पीएमश्री सीनियर सकेंडरी स्कूल नांगल दुर्गू के विद्यार्थियों ने प्राचार्या कैलाश यादव की अगुवाई में एक पौधा मां के नाम रोपण करने का अभियान चलाया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पौधों की देखभाल तथा नियमित रूप से सिंचाई करने का संकल्प लिया है। प्राचार्य ने कहा कि फोरेस्ट रकबा घटने तथा सुविधाजनक संसाधनों की अधिकता से पर्यावरण प्रदुषित हो गया है। जिसके प्रभाव से संक्रमित रोग तथा अन्य बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। समाधान के लिए पौधारोपण करना ही एकमात्र विकल्प है, लेकिन पौधा लगाने मात्र से हरियाली को बढ़ाना संभव नहीं है। क्योंकि अधिकांश लोग पौधा लगाकर देखरेख नहीं करते तथा वह पौधा बाल्य अवस्था में ही मर जाता है। ऐसे में युवाओं को एक पौधा मां के नाम लगाने का अभियान चलाना होगा, साथ ही लगाए गए पौधों की तीन-चार साल तक देखभाल और सिंचाई करना जरूरी है। इसके बाद 12वीं कक्षा के छात्र कपिल कुमार ने अपनी दिवंगत माता के नाम पौधा लगाकर मिशन का शुभारंभ किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

- सभी सात राउंड में बच्चों के ज्ञान के हर पहलू को परखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीजेआरडी स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस बारे में मोनू ने बताया कि कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए इंटर हाउस सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद व राजगुरु सदन के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ में भाग लिया।

प्रतियोगिता में सात राउंड थे। इनमें एमसीक्यू, विजुअल, फास्ट और फ्यूरियस, रैपिड फायर व बजर शामिल थे। सभी राउंड में बच्चों के ज्ञान के हर पहलू को परखा गया, जिसमें दर्शकों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में विद्यालय के निदेशक राजपाल यादव व चेयरपर्सन शीला यादव ने बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य सुरेश सैनी ने कहा कि समय समय पर इस तरह की प्रतियोगिता का आयोजन करते रहना चाहिए, ताकि बच्चों का मनोबल बढ़ सके।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सेवा पखवाड़ा के तहत किया पौधरोपण

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर में प्राचार्य डॉ. सुमन यादव की अध्यक्षता में सेवा पखवाड़ा के तत्वाधान में पौधारोपण किया गया। इस पर विद्यार्थियों एवं स्टाफ के सदस्यों ने महाविद्यालय प्रांगण में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाएं। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय प्रांगण में लगे हुए पौधों की कटाई छटाई एवं निराई की। इसके अलावा पौधों के आसपास खरपतवार को भी साफ किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को सरकार द्वारा चलाई गई सेवा पखवाड़े के बारे में भी विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह सेवा पखवाड़ा कितना महत्वपूर्ण है। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को पेड़ पौधों के महत्व के बारे में बताया।

महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के लिए हुए

नारनौल। अग्रोहा शक्तिपीठ में मनाए जाने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह के लिए शहर में लोग शनिवार को रवाना हुए। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद गर्ग ने बताया कि अग्रवाल सभा प्रधान प्रेमचंद गुप्ता एडवोकेट ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। संरक्षक सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले कार्यक्रम के लिए एक महीने से पूरे देश में घूम-घूम कर निमंत्रण दे रहे हैं। वरिष्ठ सदस्य विनय कुमार गोयल एडवोकेट ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत अग्रभागवत कथा महामंडलेश्वर नर्मदा शंकर महाराज की मुखारविंद से की जाएगी। महिला शहरी अध्यक्ष सुशीला गोयल बताया कि महिला प्रदेश उपाध्यक्ष रानी संगी के नेतृत्व में जिला से सैकड़ों महिलाएं शक्ति पीठ पहुंचेंगी। सर्वप्रथम कलश यात्रा 501 महिलाओं द्वारा निकल जाएगी। इस मौके पर सत्यनारायण गुप्ता, विनय कुमार गोयल एडवोकेटआदि मौजूद थे।

सेवा पखवाड़े के तहत हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सेवा पखवाड़े के तहत हुडा सेक्टर में लोकसंस्कृति संरक्षण प्रकोष्ठ कार्यालय में मातृशक्ति संगठन की ओर से मासिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें स्त्री स्वास्थ्य, बालिका सुरक्षा, स्त्री सशक्तिकरण,सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन व शिक्षा, जल संरक्षण व स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। समिति अध्यक्ष व मातृशक्ति प्रान्त सेवा प्रमुख डॉ. कृष्णा कुमारी आर्या के नेतृत्व में आयोजित संगोष्ठी में पौधारोपण किया गया तथा धरती की हरितिमा को बनाए रखने व पर्यावरण संरक्षण के तहत मंदिर व सार्वजनिक स्थानों के आसपास गंदगी न फैलाने व नहरों के जल में पूजा के अवशेष व गंदगी न डालने, पालीथीन व थैलियां, फलों के छिलके व खाली सामानों के रैपर आदि ईधर उधर न फैंकने की बात कही गई। सभी महिलाओं ने अपने आसपास के स्थानों को साफ सुथरा रखने के विविध प्रसंगों पर विचार व्यक्त किए तथा सेवा पखवाड़े के तहत अच्छे स्वास्थ्य हेतु रसोई व खानपान व्यवस्था व घरों के आसपास, मंदिरों तथा सामुदायिक स्थानों पर साफ सफाई की।

नारनौल। बैठक में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। सफाई करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आईटीआई में कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। सेवा पर्व के चौथे दिन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में विभिन्न गतिविधियों करवाई गई। इसमें स्टाफ से लेकर बच्चों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संस्थान के उप प्रधानाचार्य सुनील कोसलिया ने कहा कि दो अक्टूबर तक चल रहे सेवा पर्व के तहत प्रतिदिन विभाग के निर्देशानुसार कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। चौथे दिन संस्थान में 75 छात्रों को प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित किताबों का वितरण किया तथा उनके जीवन की कठिनाइयों व चुनौतियों के बारे में छात्रों को बताया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। साथ ही संस्थान में सफाई अभियान भी चलाया गया। एनसीसी प्रभारी मेजर वीरेंद्र सेकवाल ने छात्रों को करियर काउंसलिंग के बारे में बताते हुए कहा कि किस प्रकार छात्र व छात्राएं उद्यमिता अपना कर आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस मौके पर जगदीश, राजेश, गुरदयाल, अमित, मनीषा यादव, सुदर्शन, नीरज यादव, मनोज, पवन कुमार, निधी यादव, प्रदीप, मनीषा आदि मौजूद थे।

पीजी कॉलेज में विस्तार व्याख्यान व जागरूकता रैली आयोजित

सभी को सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए तथा हमेशा नशा से दूरी बनाए रखें: ट्रैफिक इंचार्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय महाविद्यालय की ओर से सड़क सुरक्षा एवं नशामुक्ति से जीवन रक्षा विषय पर विस्तार व्याख्यान, जागरूकता शपथ व रैली का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. जगजीत सिंह मोर ने की। इस दौरान ट्रैफिक इंचार्ज इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि हम सभी को सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए।

हम सभी को सड़क पर चलते समय नियमों का पालन करना चाहिए। सड़क सुरक्षा के पांच मुख्य गोल्डन नियम हैं। सभी गति सीमा का पालन करें, सीट बेल्ट और हेलमेट पहनें, सड़क पार करते समय ज़ेबरा क्रॉसिंग का उपयोग करें, शराब पीकर व किसी भी प्रकार के नशा का सेवन करके वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, बाईक में पटाखे वाले और गर्जना वाले होरन ना लगवाएं, हमेशा सभी गाड़ी सम्बंधित सभी जरूरी कागजात साथ लेकर चलें अन्यथा पुलिस प्रशासन द्वारा भारी चालान काटे जाएंगे। अधिकतर मौतें वाहन चालक की लापरवाही के कारण होती है। ऐसे में हम सभी को इस बारे में जागरूक रहना चाहिए। हमेशा अपनी लाइन में चलना चाहिए तथा कभी भी ओवरटेक नहीं करना चाहिए। यूथ रेडक्रॉस के नोडल अधिकारी प्रोफेसर डॉ चंद्र मोहन ने बताया कि सड़क सुरक्षा व नशामुक्ति जागरूकता शपथ व जागरूकता रैली को ट्रैफिक इंचार्ज इंस्पेक्टर अनिल कुमार ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी विद्यार्थियों को जिला रेडक्रास कार्यालय से बुनियादी फर्स्ट-एड कोर्स जरूर करना चाहिए। ट्रैफिक सुरक्षा जीवन रक्षा से संबंधित क्विज कांटेस्ट अक्टूबर महीने के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों जिला स्तरीय व राज्यस्तरीय पर हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन द्वारा पारितोषिक से नवाजा जायेगा।

नारनौल। विद्यार्थियों को शपथ दिलाते ट्रैफिक इंचार्ज। फोटो : हरिभूमि

परिवहन मानवीय जीवन का एक अभिन्न अंग

कार्यक्रम संयोजक कुलसचिव डॉ सत्य पाल सुलोदिया ने कहा कि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में एक सड़क उपयोगकर्ता है, इसलिए सड़क सुरक्षा शिक्षा जीवित रहने के किसी भी अन्य बुनियादी कौशल की तरह ही आवश्यक है। डॉ. महेंद्र मुदगिल ने बताया कि आज की दुनिया में सड़क और परिवहन मानवीय जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है। हमेशा के ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

यदुवंशी कालेज टीम अंतर महाविद्यालय में रही तृतीय

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज ने इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में यदुवंशी के चार विद्यार्थियों का अंतर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता के लिए विश्वविद्यालय में चयन हुआ। छात्र पुनीत, नितिश, गौतम कुमार व रजत का टीम में चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर यदुवंशी ग्रुप के चैयरमेन व पुर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बच्चो को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलो में भाग लेना चाहिए। ताकि बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास हो सके। प्राचार्य बजरंग लाल ने टीम को बधाई देते हुए कहा यह उपलब्धि हमारे छात्रों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इस मौके पर संस्था निदेशिका सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, उप प्राचार्या डा. सोनल यादव आदि उपस्थित रहे।

OFFICE PRINCIPAL
GMSSSS ATELI, M/Garh
UDISE - 06160100310.
School Code - 3856, Ph. 9416445056
Email-gmssssateli3856@gmail.com

बोली सूचना

रा. गा. रा. व. मा. विद्यालय अटेली 3856 महेंद्रगढ़ के जर्जर भवन को हटवाने की खुली बोली वार मंगलवार 30.09.2025 समय प्रात:10.00 बजे स्कूल प्रांगण में लगाई जाएगी। नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएगी। स्कूल की SMC फैसले कर अंतिम निर्णय लेगी।

SMC GMSSSS ATELI (3856), M/Garh

The Nangal Choudhary Primary Agriculture Co-op. Society Ltd.
Nangal Choudhary-123001 (Haryana)

आम सभा बैठक सूचना

आप सभी सदस्य दी नांगल चौधरी बहुउदेशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लि. नांगल चौधरी को अवगत करवाया जाता है कि पैक्स कर वार्षिक आम सभा की बैठक दिनांक 24.09.2025 को पैक्स कार्यालय में प्रात: 12 बजे होनी निश्चित की जाती है अत: आप सभी नियत तिथि, समय व स्थान पर हाजिर आकर बैठक में भाग लेवे। बैठक का एजेन्डा इस प्रकार है। 1. नई MPACS हमारे कार्य क्षेत्र मोरूड बनाने बारे।

The Nangal Choudhary
M.P.A.C.S Ltd, Nangal Choudhary

खबर संक्षेप

साफ सफाई व पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी

महेंद्रगढ़। 33 केवी मालड़ा पावर हाउस में कार्यरत कर्मचारियों ने प्रांगण में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। पावर हाउस के कर्मचारी ड्यूटी के साथ पावर हाउस की चारदीवारी के अंदर की साफ सफाई अपनी कड़ी मेहनत से लगातार करते आ रहे है। आलम यह है कि गत दो महीनों की बरसात से जहां खर पतवार काफी मात्रा में हो गया था।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अन्य स्कीमें लागू हो

नारनौल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को जिले के सभी राजकीय महाविद्यालयों में लागू कर दिया गया है। लेकिन अभी तक केवल स्कीम-ए को ही अपनाया गया है। परिणामस्वरूप विज्ञान विषयों में स्नातक करने वाले छात्र अब पहले की तुलना में केवल एक-तिहाई पाठ्यक्रम ही पूरा कर पा रहे हैं। उक्त बाते राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर के गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नवीन यादव ने कहीं।

ब्लॉक अटेली के प्रधान बने कपिल यादव

मंडी अटेली। सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक अटेली के त्रिवार्षिक चुनाव शनिवार को अटेली के पुराने नगरपालिका भवन में करवाए गए। लोक निर्माण विभाग से बिहाली निवासी कपिल कुमार को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया। चुनाव प्रक्रिया के तौर पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल यादव, जिला सचिव राहुल सारवान, जिला कैशियर नरेंद्र सिंह की देखरेख में समपन्न हुई।

ग्रुप डी भर्ती में पारदर्शिता से उम्मीदवार खुश

नारनौल। प्रदेश सरकार की ओर से हाल ही में की गई ग्रुप डी भर्ती में पारदर्शिता देखने को मिली है। खासकर महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जैसे दक्षिणी हरियाणा जिलों से बड़ी संख्या में युवाओं का चयन हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने इस भर्ती प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि पहली बार बिना किसी खर्ची और पर्ची के पूर्ण पारदर्शिता के साथ भर्ती हुई है। इससे भाजपा सरकार की विश्वसनीयता और जनसमर्थन में इजाफा हुआ है।
लोगों का कहना है कि इस प्रक्रिया ने आम परिवारों के सपनों को पंख दिए हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के घरों से आए युवाओं को नौकरी मिलना सरकार की ईमानदार नीयत को दर्शाता है।

आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के प्रयास

नारनौल। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने तथा उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार ने एक नई योजना शुरू की है। इस योजना के तहत किसानों को कोल्ड स्टोरेज इकाई, इंटीग्रेटेड पैक हाउस, फल पकाने के चैंबर और अन्य कृषि उपकरणों की स्थापना पर 35 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाएगा। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि यह योजना वर्ष 2025-26 के लिए है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य प्राप्त करने में मदद करना है।

अब विद्यार्थी 30 सितंबर तक कर सकते हैं दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन

मिशन एडमिशन: कॉलेज में दाखिले से वंचित विद्यार्थियों के लिए एक और मौका

- कॉलेजों में रोजाना चलेगी दाखिला प्रक्रिया, फिजिकल काउंसलिंग में भाग लेकर ले सकते है एडमिशन
- उच्चतर शिक्षा विभाग ने यूजी फर्स्ट, सेकेंड व थर्ड ईयर तथा पीजी फर्स्ट व लास्ट ईयर के लिए खोला पोर्टल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय। फोटो : हरिभूमि

उच्चतर शिक्षा विभाग ने कॉलेज में दाखिले से वंचित विद्यार्थियों के लिए एक और मौका दिया है। विभाग ने अभी तक दाखिले से वंचित विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल 30 सितंबर तक फिर से ओपन कर दिया है। ऐसे में अब विद्यार्थी 30 सितंबर तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद एक अक्टूबर तक कॉलेज में दस्तावेज व फीस जमा करवाकर दाखिला ले सकते है।

बता दें कि ज्यादातर कॉलेजों में अनेक संकाय में सीटें रिक्त रहने पर हायर एजुकेशन विभाग ने फिर से पोर्टल खोल दिया है। इस संबंध में विभाग की ओर से कॉलेजों को जारी किए गए पत्र के अनुसार स्नातक प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष तथा पीजी प्रथम और द्वितीय वर्ष के लिए भी ऑनलाइन आवेदन करने के लिए पोर्टल 30 सितंबर खोल दिया है। ऐसे में विद्यार्थी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद एक अक्टूबर तक फिजिकल काउंसलिंग में भाग लेकर दाखिला ले सकते हैं।

महेंद्रगढ़ में कॉलेज व सीटों की संख्या

जिले में यूजी कोर्स करने के लिए कुल 14 राजकीय महाविद्यालय में है। जिसमें अटेली राजकीय कॉलेज में विभिन्न चार कोर्स की कुल 780 सीटें स्वीकृत है। इसी प्रकार छिलरो कॉलेज में चार कोर्स की 320 सीटें, कनीना चार कोर्स की 1200 सीटें, कृष्ण नगर कॉलेज में तीन कोर्स की 400, महेंद्रगढ़ कॉलेज में पांच कोर्स की कुल 1280 सीटें, नांगल चौधरी तीन कोर्स की 560 सीटें, पीजी कॉलेज नारनौल में छह कोर्स की 1540 सीटें, सतनाली कॉलेज में चार कोर्स की 700 सीटें, सिहमा कॉलेज में दो कोर्स की 240 सीटें, उन्हानी कॉलेज में तीन कोर्स की 360 सीटें, महिला कॉलेज अटेली में तीन कोर्स की 500 सीटें, महिला कॉलेज महेंद्रगढ़ में पांच कोर्स की 1080 सीटें, महिला कॉलेज में चार कोर्स की 460 सीटें व महिला कॉलेज नारनौल में चार कोर्स की कुल 460 सीटें स्वीकृत है। इसी प्रकार जिले के छह कॉलेज में पीजी के विभिन्न कोर्स करवाए जाते है। जिसमें अटेली राजकीय कॉलेज में विभिन्न चार कोर्स की 240 सीटें स्वीकृत है। वहीं महेंद्रगढ़ कॉलेज में तीन कोर्स की 144 सीटें, पीजी कॉलेज नारनौल में 15 कोर्स की 550 सीटें, सतनाली कॉलेज में तीन कोर्स की 120 सीटें, महेंद्रगढ़ महिला कॉलेज में तीन कोर्स की 120 सीटें व महिला कॉलेज नारनौल में आठ कोर्स की 320 सीटें स्वीकृत हैं।

विद्यार्थी अवसर का उठाए फायदा

इच्छुक विद्यार्थी समय रहते ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण व आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण करें। आवेदन करने के बाद विद्यार्थियों को अपने संबंधित महाविद्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रवेश की औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। प्रवेश प्रक्रिया प्रतिदिन के आधार पर की जाएगी। इसलिए विद्यार्थियों अंतिम तिथि का इंतजार न कर, जल्द से जल्द आवेदन कर प्रवेश सुनिश्चित करें। वहीं अभिभावक व विद्यार्थी इस अवसर का पूरा लाभ उठाकर अपने शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित करें।

कॉलेजों में रोजाना दाखिला प्रक्रिया चलेगी

इस बारे में नारनौल के राजकीय पीजी कॉलेज में दाखिला नोडल अधिकारी डॉ. सतीश कुमार सैनी ने बताया कि विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने से पहले आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने होंगे। दाखिला प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों को अपने कॉलेज में फिजिकल काउंसलिंग में उपस्थित होना होगा। जहां पर कमेटी के सामने दस्तावेज वेरीफाई व फीस जमा करवाकर दाखिला ले सकते है। उन्होंने बताया कि दाखिला प्रक्रिया कॉलेज में एक अक्टूबर तक रोजाना आयोजित की जाएगी।

उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के कॉलेजों से वीटा बूथ खोलने के लिए मांगे गए थे आवेदन

5 कॉलेज में खुलेंगे वीटा बूथ, निदेशालय के मांगे गए आवेदन पर कॉलेजों ने जताई सहमति

42 राजकीय व 9 एडिड कॉलेजों ने जताई सहमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़। फोटो : हरिभूमि

उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से कॉलेज परिसरों में वीटा बूथ खोलने की पहल को जिले में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। निदेशालय द्वारा आवेदन मांगे जाने के बाद जिले के पांच कॉलेजों ने इसके लिए सहमति जताई है। इससे न केवल छात्रों को स्वच्छ और पौष्टिक डेयरी उत्पाद परिसर में ही उपलब्ध होंगे बल्कि स्थानीय स्तर पर वीटा उत्पादों की पहुंच भी बढ़ेगी।

बता दें कि उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के कॉलेजों में वीटा बूथ खोलने के लिए आवेदन मांगे गए थे। अब तक 42 राजकीय और 9 एडिड कॉलेजों ने वीटा बूथ खोलने के लिए सहमति पत्र भेजा है। खास बात यह है कि महेंद्रगढ़ और हिसार जिले इस मामले में सबसे आगे रहे हैं। दोनों जिलों से पांच-पांच कॉलेजों ने इस पहल के प्रति अपनी रुचि जताई है। इससे यह साफ है कि दोनों ही जिलों में छात्र और कॉलेज प्रबंधन इस योजना को लेकर गंभीर और उत्साहित हैं।

जिला के जिन कॉलेजों ने सहमति दी है उनमें राजकीय महाविद्यालय नांगल चौधरी, राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़, राजकीय महिला महाविद्यालय नांगल चौधरी, राजकीय महाविद्यालय सिहमा और राजकीय महाविद्यालय अटेली शामिल हैं। इन सभी कॉलेज परिसरों में निकट भविष्य में वीटा बूथ स्थापित किए जाएंगे। उच्चतर शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस योजना को धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। जहां भी कॉलेज प्रशासन और स्थानीय प्रबंधन सहमति जताएंगे, वहां वीटा बूथ खोले जाएंगे। इस पहल छात्रों की सेहत और पोषण स्तर में सुधार लाने के साथ-साथ हरियाणा डेयरी विकास संघ को भी मजबूती प्रदान करेगी।

आमजन को मिलेगा फायदा:

कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रभा पूर्णा का कहना है कि विभाग की ओर से वीटा बूथ के लिए आवेदन मांगे गए थे। हमने वीथा बूथ के लिए आवेदन कर दिया है। अभी विभाग की तरफ वीटा बूथ को लेकर कोई रिप्लाई नहीं आया है। परिसर में वीटा बूथ खुलने से छात्रों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी फायदा होगा। अधिकांश कॉलेज मुख्य मार्गों या कस्बों के नजदीक हैं, ऐसे में यहां आने-जाने वाले लोग भी उत्पाद खरीद सकेंगे।

नारनौल पीजी कॉलेज में वीटा बूथ को बना दी कैंटिन

पीजी कॉलेज में पुराने मेन गेट पर करीब तीन साल पहले वीटा बूथ खोला गया था। जिस मकसद से यह खोला, वह सिरे नहीं चढ़ा। अब हालात यह है कि वीटा बूथ को कैंटिन का रूप दे दिया है। हैरानी की बात है कि कॉलेज परिसर में खुल इस बूथ की सच्चाई से कॉलेज प्रशासन भी जानबुझकर अनभिज्ञ बना हुआ है। अगर इसी तरह अन्य कॉलेज में खुलने वाले वीटा बूथ का हाल हुआ तो यह योजना फेल हो जाएगी।

अटेली कॉलेज में शुरू नहीं हो पाया है वीटा बूथ

वर्ष 2022 में ही राजकीय महाविद्यालय अटेली में एक वीटा बूथ स्थापित किया जा चुका था, लेकिन किसी कारणवश अभी तक इसे शुरू नहीं किया जा सका। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस बूथ को भी सक्रिय किया जाएगा ताकि छात्र-छात्राओं को इसका लाभ मिल सके। हरियाणा डेयरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड (वीटा) की ओर से संचालित होने वाले इन बूथों पर दूध और दूध से बने विभिन्न उत्पाद जैसे दूध, दही, मक्खन, पनीर, घी, आइसक्रीम आदि उपलब्ध कराए जाएंगे।

पौष्टिक भोजन के बारे में चलाया जागरूकता अभियान

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पोषण माह के तहत शनिवार को गांव जौरासी के आंगनवाड़ी केन्द्र में जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें आंगनवाड़ी में आने वाले बच्चों की माताओं एवं गांव की अन्य महिलाओं को पौष्टिक भोजन के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर सुमन ने बताया कि स्वस्थ शरीर ही खुशहाल जीवन का आधार है। इसके लिए पौष्टिक आहार अत्यंत जरूरी है। आजकल अनियमित भोजन से लोगों में अनावश्यक चर्बी होने से कम उम्र में ही मोटापे की चपेट में आने लग जाते हैं। मोटापा घटाने हेतू चीनी एवं खाद्य तेल का सीमित सेवन करने बारे बताया गया। बाजार के पैकिंग फूड व जंक फूड का प्रयोग न करके मोटे अनाज को ज्यादा से ज्यादा प्रयोग में लाएं। बच्चों को भी पहले छह माह सिर्फ मां का दूध दें और खाने में दाल, हरि सब्जियां, दही, दूध इत्यादि पौष्टिक भोजन की मात्रा बढ़ाएं तथा बाहर के तले, चिकने, मसालेदार भोजन एवं जंक फूड से बच्चों को दूर रखें।

बांग्ला देशी नागिरक व रोहिंग्या का पता लगाने के लिए चला अभियान

- झुग्गियों, भट्ठों पर रह रहे लोगों की गहनता से की गई जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। झुग्गियों में जाकर लोगों से पूछताछ करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

अवैध तरीके से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिक व रोहिंग्या का पता लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान झुग्गियों, भट्ठों पर रह रहे लोगों की गहनता से की गई जांच, पहचान पत्र व कागजात चेक किए गए।

महेन्द्रगढ़ जिले में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं का पता लगाने के लिए एक विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार शाम जिलेभर में झुग्गी-झोपड़ी, ईंट भट्ठों पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में रह रहे सभी बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित करना और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना है। तलाशी के दौरान पुलिस टीमों ने झुग्गियों में रह रहे लोगों से पूछताछ की, उनके पहचान पत्रों और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहनता से जांच की। यह चेक किया गया कि कहीं भी किसी भी तरह की अवैध गतिविधियां न चल रही हों।

सुरक्षा की दृष्टि से चलाया गया अभियान: एसपी

यह अभियान सुरक्षा की दृष्टि से चलाया गया है। जिले में बाहर से आकर रह रहे सभी लोगों की पहचान सुनिश्चित होना बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी थाना प्रबंधकों और चौकी इंचार्जों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध रूप से रह रहे लोगों, खास तौर पर किराएदारों के रूप में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं की नियमित जांच करते रहें। उन्होंने भी बताया कि इस तरह के अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे ताकि जिले में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

–पूजा वशिष्ठ, एसपी महेंद्रगढ़

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर होगी फोटोग्राफी व कला प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस को एक अभिनव, रचनात्मक और सहभागी प्रारूप के माध्यम से मनाया जाएगा। इस दौरान हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार कानूनी सहायता के माध्यम से न्याय विषय पर राष्ट्रीय फोटोग्राफी एवं कला प्रदर्शनी की जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए नागरिकों को फोटोग्राफ, पेंटिंग, रेखाचित्र वीडियो आदि पांच अक्टूबर तक ईमेल आईडी पर भेजने होंगे। वीडियो और फोटो न्याय विषय पर आधारित होने चाहिए। सीजेएम नीलम कुमारी ने बताया कि देश में कानूनी सहायता सेवाओं की पहुंच और प्रभाव को दस्तावेजों और उजागर करने के लिए दृश्य कला का उपयोग किया जाएगा। इस प्रदर्शनी के माध्यम से कलाकारों, फोटोग्राफरों, छात्रों, स्वयंसेवकों, कानूनी सहायता बिरादरी और समुदाय के सदस्यों को न्याय पर विचार प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय फोटोग्राफी एवं कला प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए प्रस्तुत सभी प्रविष्टियों फोटोग्राफ, पेंटिंग, रेखाचित्र या वीडियो अधिकतम 1 मिनट राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की संपत्ति बन जाएगी। नालसा को योगदानकर्ता की अतिरिक्त अनुमति या प्रतिपूर्ति के बिना जागरूकता प्रचार या अभिलेखित उद्देश्यों के लिए इन प्रविष्टियों का उपयोग पुनरुतपादन का प्रकाशन करने का अधिकार होगा।

एनएसएस टीम ने चलाया स्वच्छता अभियान

नारनौल। सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में 16 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम के चौथे दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक (एनएसएस) टीम द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्टाफ की टीम तथा विद्यार्थियों की एनएसएस इकाई ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान परिसर को स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से कक्षा कक्ष, गलियारे, प्रांगण और बगीचों की सफाई की गई। विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया तथा "स्वच्छता ही सेवा है" का संदेश दिया गया। एनएसएस टीम ने सभी को संदेश दिया कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण ही समाज के विकास की असली पहचान है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए सफाई अभियान में सहयोग दिया और समाज को प्रेरित करने का संकल्प लिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

श्रीगोशाला धोलपोश आश्रम में वार्षिक उत्सव आयोजित

सुख-दुख, सफलता-असफलता, लाभ-हानि सब कुछ विधि का विधान

आचार्य प्रद्युम्न महाराज खानपुर आश्रम के संचालक का प्रवचन हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। श्रीगोशाला धोलपोश आश्रम में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्रीगोशाला धोलपोश आश्रम में भंडारा व वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। आचार्य प्रद्युम्न महाराज खानपुर आश्रम के संचालक का प्रवचन हुआ। जिसमें महाराज ने मनुष्य के मां आचरण बुद्धि अहंकार की सुंदर विवेचना करके समझाया कि मनुष्य के किए गए कर्म से ही कर्मफल का निर्धारण होता है। सुख दुख, सफलता असफलता, लाभ हानि सब कुछ विधि का विधान है, जो जीव के कर्मानुगत प्राप्त होता है। कर्मगति टाली नहीं जा सकती, इसलिए मनुष्य को सदैव सद्कर्म शुद्ध आचरण करना चाहिए। गोसेवा मात्र से इस कलयुग में मनुष्य बहुत सारी विपत्तियों व विकृतियों से निजात पा सकते हैं। विधायक कंवर सिंह यादव ने 21 कुंडीय यज्ञ में आहुतियां दी। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि मनुष्य की गति गोमाता की सेवा से ही सुधर सकती है, यहां तक की जीव की मृत्यु हो जाती है, तो हिंदू धर्म में श्रद्धांजलि वाले दिन गोदान का प्रावधान है, क्योंकि जीव को भवसागर व वैतरणी नदी से गोमाता ही पार अर्थात स्वर्ग लोक में ले जाती है। पवित्र यज्ञ के पुरोहित डॉ. निलेश मुद्गल थे। उनकी टीम ने यज्ञ को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रसाद लेने पहुंचे श्रीमल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की डॉक्टरों की टीम ने सैकड़ों भक्तजनों का फ्री मेडिकल चेकअप करके औषधियां दी। वहीं सांसद धर्मवीर चौधरी के पुत्र मोहित चौधरी ने उपस्थित लोगों से बारिश से फसल में हुए नुकसान की जानकारी ली। मोहित चौधरी ने गोशाला का संचालकों का उत्साह वर्धन किया। जिलेभर की समस्त 31 गोशालाओं से सभी प्रधान, कार्यकारिणी सदस्य बाबा का प्रसाद लेने पहुंचे।

आभार जताया

प्रधान रविंद्र तिवाड़ी, सचिव रमेश कुमार वर्मा व समस्त कार्यकारिणी ने भंडारा में पहुंचे सभी महापुरुषों, मातृशक्ति का आभार प्रकट किया। प्रोफेसर रामबिलास शर्मा के छोटे भाई राजू शर्मा ने अपने साथियों सहित भंडारा में आकर प्रसाद ग्रहण किया। साधु सन्त समाज को भोग लगाकर यथायोग्य दक्षिण गोशाला के कोषाध्यक्ष मास्टर महावीर, संरक्षक सुरेश शर्मा, सर्वेसर्वा सूरजभान बोहरा ने दी।